की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया जा रहा है; यदि हां, तो इस केन्द्र पर कितनी राशि खर्च की गई थी और इसकी क्षमता का कितना उपयोग किया जा रहा है; और

(ख) क्या यह भी सही है कि रामचरितमानस की रिकार्डिंग बाहर से कराई गई थी; यदि हां तो इसके लिए कितनी राशि का भुगतान किया गया था ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) (क) जी, नहीं । दूरदर्शन के केन्द्रीय निर्माण केन्द्र के लिए वार्षिक निर्माण के जो लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं उनके संदर्भ में उसकी क्षमता का उपयोग प्रायः संतोषजनक रहा है । इस केन्द्र की स्थापना पर 44.73 करोड़ रुपए की लागत आई है ।

(ख) जी, हां । तथापि, यह प्रस्तुति आकाशवाणी की है । इस कार्यक्रम पर 65 लाख रुपए की अनुमानित कुल लागत में से बाहर के स्टुडियो में रिकार्डिंग के लिए अब तक 6,44,600/- रुपए की राशि का भुगतान किया गया है ।

मध्य प्रदेश के लिए स्वीकृत विकास योजनाएं

*179. **श्री अजीत जोगी :**
श्री राधाकिशन मालवीय :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों में मध्य प्रदेश में कार्यान्वयन हेतु किन-किन विकास योजनाओं को योजना आयोग ने स्वीकृति प्रदान की है;

(ख) ऐसी योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) योजना आयोग के पास अन्य कौन-कौन सी योजनाएं स्वीकृति हेतु लंबित हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) और (ख) योजना आयोग द्वारा स्कीमवार स्वीकृति नहीं दी जाती है । राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों की वार्षिक योजनाओं के लिए केवल शीर्ष/उपशीर्ष वार परिव्ययों का अनुमोदन किया जाता है । स्कीमवार आवंटन राज्य सरकारों द्वारा (मध्य प्रदेश सहित) स्वयं किया जाता है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन, रांची

*180. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान रांची स्थित हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन ने कितना व्यापार किया :

(ख) क्या यह सच है कि इस कारपोरेशन के पास इसकी क्षमता की तुलना में कम आर्डर है ; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार क्या कदम उठा रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन): (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन द्वारा किया गया कुल कारोबार अर्थात् कुल बिक्री निम्न प्रकार है :–

1988–89	262.51 करोड़ रुपये
1989–90	259.97 करोड़ रुपये
1990–91	183.32 करोड़ रुपये

(ख) जी, हां ।

(ग) इस समय सरकार के हस्तक्षेप के कारण, प्रयोक्ता क्षेत्रों ने हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन को आर्डर देने शुरू कर दिए हैं और 1-7-1991 को कम्पनी की क्रयादेश स्थिति 710 करोड़ रुपये है जो कम्पनी के इतिहास में सर्वोत्तम है ।